Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

सत

स्तंभ

परिभाषा:

"खम्भा" एक बड़ी खड़ी रचना होती है जिस पर छत को या भवन के अन्य भाग को रोका जाता है। "खम्भा" का दूसरा शब्द स्तंभ होता है।

- बाइबल के युग में भवन को सहारा देने के लिए जो खंभे बनाए जाते थे वे सामान्यतः एक ही पत्थर में से काटकर निकाले जाते थे।
- पुराने नियम में शिमशोन को पलिश्तियों ने बन्दी बना लिया था तब उसने उनके मन्दिर के खंभों को गिराकर मन्दिर को ध्वंस कर दिया था।
- कभी-कभी "खंभा" शब्द किसी की कब्र या किसी घटना की स्मृति में खड़ी की गई चट्टान को भी कहा गया है।
- यह शब्द किसी देवी-देवता की मूर्ति की उपासना के संदर्भ में भी उपयोग किया गया है। किसी गढ़ी हुई मूरत के लिए भी इस शब्द का उपयोग किया गया है जिसका अनुवाद "प्रतिमा" किया जा सकता है।
- "खंभा" शब्द का उपयोग किसी भी स्तंभ रूपी रचना के लिए किया जा सकता है जैसे आग का खंभा जो रात के समय जंगल में इस्राएलियों की अगुआई करता था या "नमक का खंभा" लूत की पत्नी नमक का खंभा बन गई थी जब उसने पलट कर सदोम को देखा था।
- किसी भवन को थामने वाली रचना के लिए "खंभा" शब्द का उपयोग किया जाता है तो इसका अनुवाद "खड़ी पत्थर की लाट का सहारा" या "थामने वाली पत्थर की रचना" किया जा सकता है।
- "खंभा" के अन्य उपयोगों का अनुवाद हो सकता है, "प्रतिमा" या "ढेर" या "स्तूप" या "स्मारक" या "ऊंची रचना" आदि जो प्रकरण के अनुरूप उचित हो।

(यह भी देखें: आधार, मूरत, समान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:04
- निर्गमन 13:21
- निर्गमन 33:09
- उत्पत्ति 31:45
- नीतिवचन 09:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H547, H2106, H2553, H3730, H4552, H4676, H4678, H4690, H5324, H5333, H5982, H8490, G4769

स्तिफनुस

तथ्यों:

स्तिफनुस प्रथम मसीही शहीद अर्थात् मसीह में विश्वास के कारण मारा गया। उसके जीवन एवं मृत्यु के तथ्य प्रेरितों के काम की पुस्तक में हैं।

- स्तिफनुस को आरंभिक कलीसिया ने यरूशलेम में विधवाओं तथा अन्य आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों के लिए भोजन व्यवस्था की सेवा हेतु एक सेवक चुना था।
- कुछ यहूदियों ने उस पर झूठा आरोप लगाया था कि वह परमेश्वर और मूसा की व्यवस्था के विरूद्ध बोलता है।
- स्तिफनुस ने मसीह यीशु के विषय निडर होकर सच्चाई की चर्चा की और इस्राएल के साथ आरंभ से लेकर परमेश्वर के व्यवहार का वर्णन किया था।
- उसकी बातें सुनकर यहूदी अगुवे आग बबूला हो गए और उसे शहर के बाहर ले जाकर पथराव कर के मार डाला।
- उसकी हत्या का साक्षी तर्शिश का शाऊल भी था जो बाद में प्रेरित पौलुस हुआ।
- स्तिफनुस ने मरने से पूर्व जो अन्तिम प्रार्थना की वह स्मरणीय है, "हे प्रभु उनसे इस पाप का लेखा मत लेना" इससे मनुष्यों के प्रति उसका प्रेम प्रकट होता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: नियुक्त, डीकन, यरूशलेम, पौलुस, पत्थर, सच्ची)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5–6
- प्रे.का. 06:8–9
- प्रे.का. 06:10–11
- प्रे.का. 06:12–15
- प्रे.का. 07:59–60
- प्रे.का. 11:19–21
- प्रे.का. 22:19–21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4736

स्तुति

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- "स्तुति करना" का अनुवाद हो सकता है, "किसी के बारे में अच्छी बात कहना" या "शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना" या "किसी का गुणगान करना"।
- "स्तुति" संज्ञा शब्द का अनुवाद "सम्मानित व्यक्ति" या "सम्मान सूचक उदगार" या "अच्छाईयों का वर्णन"।

(यह भी देखें: आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3–4
- प्रे.का. 02:46–47
- प्रे.का. 13:48–49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3–4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9–10
- यूहन्ना 05:41–42
- लूका 01:46–47
- लूका 01:64–66
- लूका 19:37–38
- मत्ती 11:25–27
- मत्ती 15:29–31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की **आराधना** करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी **प्रशंसा** की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, "प्रभु परमेश्वर **धन्य हो**, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की **स्तुति** करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के **भजन** गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296